प्रेषक

सुवर्द्धन अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में.

निदेशक, संस्कृति निदेशालय, उत्तराखण्ड।

संस्कृति अनुभाग :

देहरादून दिनांक :)/ देवरी, 2008

विषय :- पुनर्विनियोग के माध्यम से धनावटन के सम्बंध में।

महोदय,

जपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1047/स नि.उ./दो-3/2007-08 दिनांक-12 सितम्बर, 2007 पत्र संख्या-1048/स नि.उ./दो-3/2007-08 दिनांक-12 सितम्बर 2007, संख्या-1049/स.नि.उ./दो -3/2007-08 दिनांक-12 सितम्बर 2007 एवं पत्र संख्या-1737/स नि.उ./दो-3/2007-08 दिनांक-20 दिसम्बर, 2007 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उवल पत्रों द्वारा प्रेषित पुनर्विनियोग प्रस्ताव पर संलग्नक क, ख, ए क क अनुसार पुनिविनियोग किए जाने पर श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2. उपरोक्त आवटित बनराशि का उपयोग कंचल उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों में यह स्वीन् किया जा रहा, है। यहां यह भी रपष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधि ार नहीं देता है, जिससे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्रदान करना आवश्यक है। ऐसे व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है।
- 3. किसी भी मद में व्यय से पूर्व वित्तीय इस्त पुरितका, बजट मैनुअल, भण्डार क्य नियम तथा मितव्ययता सम्बंधी समय—समय पर निर्गत शासनादेशों का वाढाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उपकरणों का क्य डी०जी०एस०एन०डी० दरों पर किया जाएगा और ये दर न होने की स्थिति में टेण्डर, कोटेशन विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए ही किया जाएगा।
- समस्त वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया आयेगा, तथा किसी भी बिन्दु पर रिथित स्पष्ट न होने पर तत्काल शासन को अवगत कराया जायेगा।
- हैं उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-11.'के अन्तर्गत लेखा शीर्षक-2205 के आयोजनेत्तर/आयोजनागत पक्ष के संगत मानक गदों के नामें में निम्नानुसार डाला जाएगा :-
- (क) अनुदान संख्या—11 के लेखाशीर्षक 2205—कला एवं संस्कृति—00-001—निदेशन तथा प्रशासन—03 संस्कृति कार्य निदेशालय के भानक मद—09—विद्युत देय एवं मानक मद—10—जलकल/जल प्रभार मद की बचतों से कमशः रूपये 8,000/—एवं रूपये 3,000/—को पुनर्विनियोग के माध्यम से......

कमश02 पर

अनुदानसंख्या—11 के लेखाशीर्षक 2205—कला एवं संस्कृति—101—ललित कला शिक्षा—03 भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय के मानक मद कमशः-09 विद्युत देय एवं 10 जलकल/जल प्रभार में स्थानान्तरित किया जायेगा।

- (ख) अनुदान संख्या—11 के लेखाशीर्षक 2205— कला एवं संस्कृति—102—कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन—13 उदयशंकर नृत्य अकादमी का संचालन-20 सहायक अनुदान/ अंशदान/राजसहायता मद की बचतों से रूपये 3.00 लाख को पुनर्विनियोग के माध्यम से अनुदान संख्या—11 के लेखाशीर्षक 2205— कला एवं संस्कृति-102-कला एवं संस्कृति का सम्बर्द्धन-08-रगमण्डल स्थापना-20 सहायक अनुदान/ अंशदान /राजसहायता मद में स्थानान्तरित किया जायेगा।
- (ग) अनुदान संख्या—11 के लेखाशीर्षक 2205—कला एवं संस्कृति—102— कला एवं संस्कृति का सम्बर्द्धन-13 उदयशंकर नृत्य अकादभी का संचालन-20 सहायक अनुदान/ श्रंशदान/राजसहायता मद की बचतों से रूपये 2.00 लाख को पुनर्विनियोग के माध्यम से अनुदान संख्या—11 लेखाशीर्षक 2205— कला एवं संस्कृति 104-अभिलेखागार-03 राज्य अभिलेखागार-42 अन्य व्यय में स्थानान्तरित किया जायेगा।
- उपरोक्त पुनर्विनियोग संलग्न क. ख एवं ग के कालम-1 के बचतों से वहन किया जायेगा। उपरोक्त आदेश विस विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-769(पी)/वित्त अनु0-3/2007दिनांक-29-1 -08, में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय (सुवर्द्धन) अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 53 /VI-1/2008-2(19)2007 तद्दिनांकित।

निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित। प्रतिलिपि:-

- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, वैमव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रिंस नगर, देहरादून। 1.
- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी / मा०मंत्री जी उत्तराखण्ड शासन। विता (व्यय नियंत्रण) अनुमाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 3.

वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून। 4.

- प्रधानाचार्य, मातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, देहरादून। 5.
- बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
 - एन०आई०सी० देहराद्न।
- गार्ड फाइल।

आज्ञा से. रसॅ०एस०वल्दिया) उप सचिव

	मानित हिंदा बात है के नाकिया के	001-निर्देशन तथा प्रमासन 001-निर्देशन तथा प्रमासन 001-निर्देशन तथा प्रमासन 001-निर्देश राज्य 101-निर्देश राज्य 101-निर्वेश राज्य 101-निर्देश राज्य 101-निर्वेश राज्य 101-निर्देश राज्य 101-निर्वेश राज्य 101-निर्वेश राज्य 101-निर्देश राज्य 101-निर्वेश राज्य 101-निर	नियान्याः अधिकारो नायदेवकः संस्काते नियसत्त्वः। स्व क्षणाः माध्यान तथा लङ्गशाकतः का मानक विद्या संस्थानाः। 20%-कतः एव सम्बद्धने
1 1 1 1 1 1		ال ا	ति निदेशालक । स भागक निद्धालक उच्चानकिक व्यक्ष
18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 1		\$ 15	क प्रति । अविधि म अविधि म
जिला त कार मुख्य के मान्स्य १६० १६६ में प्राच्या के जल्पम नहीं होता है।	**	अपूर्ण सद्या-11 220% कता एवं सन्दर्शते 00° 100-मार्ग्य कता एवं सन्दर्शते 10-मार्ग्य का विद्वास्त्र 10-मार्ग्य का विद्वास्त्र 10-मार्ग्य का विद्वास्त्र 10-मार्ग्य का विद्वास्त्र	100-18 100-18 101-18 10
	杂	4 8	
	120	8 प्रित्याय यह 2007-08 हिंदु ०१-प्यप्नित देव व प्रभावताय यह 2007-08 हिंदु ०१-प्यप्नित देव व प्रभावताय विकास सम्बद्ध स्था को सम्याद दिन्दामा कम अवदान काम के अवस्थाल दिन्द प्रभावताय काम कम्मा सम्याद का दिन्द प्रभावताय काम कम्मा सम्याद का काया 3000=20 मात्र आतिश्यक काम्यासियों को प्रमायनायम के नाट्यम निवान्त आवश्यक है।	의 왕 의 역

र्राम्याम्य स्टिया) स्य सदिव

देशहर दिनाक २०१ व . २००४ विता (ध्वय निवन्त्रय) अनुमाग-3 जिलाराखण्ड रामन

(९न० एन० थपलियात) अपर सचिववित्त उत्तराखण्ड शासन

पुनर्विनेयान स्वय्कृत

उत्तराखण्ड, दहरादून। दिनाक महालखाकार,

प्रतितिपि–निमलिखित का सूचनाथं एवं अप्यस्टक कार्यवाहां हेतु प्रेषित। 1—निदेशक, संस्कृति निदेशालय, चत्तराखण्ड, दहरादून। 2—निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं 23 तदमी राष, दहरादून। 3—वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

4-बिता (ध्यय नियत्रण) अनुसार-३ उत्तराखण्ड शासन्। 5-निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय यरितर।

अजा त

下下 明明 प्र क्रिया

HON नियन्त्रण अधिकारी-मिदेशक, सन्कृति निदेशालय।

बीएएम0—15 पुनर्विनियोग २००७—08 विवरण पत्र प्रशसनिक विभाग-संस्कृति विभाग उत्तराखण्ड शासन

इंहर दून िनक

स्तानक"या"

500	4hr 500	H8170	ा प्रतिस्थल तृत्य अकादमी का संयालन १०० - सहायक अनुदान (असदान) ताल	102-कटा एवं संस्कृति का सवहंत	2205-कता एवं सन्त्रति	असीत संस्था	विवरण
1		,	11			N	मानक महत्वार अध्यातहेन
		1				ω .5	के के अवस्थित हो।
500		500		.7	-	-	अवशेष सरप्तश
300 .	We many	ELES ALTO	'02-क्ला एवं संस्कृति का संस्कृत 08-रामम्बद्धल स्टापना	2205-कता एवं संस्कृति 30-	अनुदान सहया-११		लेखग्रीषक जिसमें धनतींश स्थानन्तरित किया साथा है।
	7.4				on	चुल इनराज	अर्थाजनगत प्रतिनेधोग के बाद
250	40					-22/2	
Pa Democrate	Control of Control		-		7	_	पुनरिक्याम के सार सन्म-1 में अस्त्रीत कुल

भारवर १६० १६६ १६ ने प्राचित्तों का उल्लंघन नहीं होता है।

रिनंग्एस०वट्दिया) उप साचेव

देहरादून दिनांक 29.टन, 2008 पुनर्विनियोग स्वीकृत संख्या-अन्द्रभाष्ट्र/विता अनुसाप-3/2007 वित्त (व्यव निवन्त्रण) अनुमान-अ चत्तरस्थान्ड शासन

एन० एन० धपलियाल अपर सचिव,विता

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड, देहरादून महालेखाकार.

प्रतिलिपि-निम्नसिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
1-निदेशक, संस्कृति निदेशालव, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2-निदेशक, कोषागार एवं विता सेवाए 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
3-वश्ष्ठ कोषाधिकार्य, देहरादून। 4-रिता (व्यय नियत्रण) अनुसाग-3 उत्तरराखण्ड शासन।

—निदेशक, एन०आई०सी० अचिवालय पिनरः।

왕의

स्ति एक क्षेत्रम्

नियन्त्रण आधिकारी-निद्यान सन्दूरते निद्यालय

बार माला नाम त्यातिक वा

पुनर्विनियांग 2007-08 विवरण प्रत भरासीनक विनाग-संस्कृति विनाग अन्तर्भसण्ड शासन

200

집

部(中)-15

प्रमाणित किया जाता है कि पुनावीनयान से बजट महुबल के परिकार 150 155 156 में प्रार्थित के स्थान के केंद्र के कि	102-कला रेंग संभावता हा सन्दर्भ 13-चंद्रपालय रूप संभादन का रामालय अपुराम अशदान साम संस्थान अपुराम अशदान साम संस्थान आपुराम अशदान साम	221 221 -11	विद्यामा अस्त्र
बेज्द नेज्ञत के तरि		-	नद्वा अध्यवश्वे यर्
20 150 156 150 150 150 150 150 150 150 150 150 150	1	-	अति म
200	8	-	अद्भाव गाजान गाजान
200	1 4 1 4 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	U	स्टब्रिक विस्त कराहे स्थापनात किए जाता है।
305	300	6	श्री के बार के बार के बार के बार
300	Contraction of the Board of the	A DITTER	कर सम्भावता वा वार सम्भावता वा
Signature ()	वित्तीय वर्ष 2007 - 28 नं राज्य अभैताखानार् रहिरादुन द्वारा आयान एवं एरेडाजिक नहान के अनेराज को न्याकाकोन्य का काय एवं रागवदाजी सामित होत्रोग औन्तिस सामित सामित तथा कर सामित की रहिला में प्रतिमान काने वात विशेषत्री व सरस्या के याजा द्वारा नाजा, आवास व सामदेग आदि के मुग्जान हेतु रंग नेया द्वारा भागत नेत्र अध्याबनागत धा म स्वयं 200 लाख नात्र अवितियो की तिसाना		विन्धारी हैजार क्या है। टिप्पणी

(१५०एस०वित्वया)

Ab teld to make some

स्वमक्ता ग

देहरादून दिनांक २४, ४१, 2000 पुनर्विनेयोग स्वीकृत संख्या-१८०१ हिता अनुसाग-३/२००१ विता (बद नियत्रव) अनुनान-3

व्यापायण्ड सामान

महाल खाकार

वेताराचन्ड, देहरादून। दिनाक

प्रतिनिष-निन्नतिखित का तुन्तार्थ एवं आवस्यक कार्यवाही हेतु प्रोषेत

1-निदेशक, सत्कृति निदशालय, कताराखण्ड, देहरादून।
2-निदेशक, कोबागार एक कित्त सेवाएं 23 लट्नी शांड, देहरादून।
3-वरिष्ठ कोबाधिकारी, देहरादून।
4-विक्त (ध्यय निवञ्चव) अनुसन-3 चताराख-ड शासन।
5-निदेशक, एन०आई०सी० सोवयालय परिसर।

एनवएन० थपतियात) अपर सारेवाविता उत्तराखण्ड शासन

を記して